दीपावली महोत्सव : जोधपुर में जमकर हुई आतिशबाजी, तड़के तक गूंजे पटाखे

जोधपुर, (कासं)। अंधेरे पर उजाले की जीत का पर्व दीपावली जोधपुर में पारंपरिक तरीके के साथ हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्तिक कृष्णा अमावस्या को इन्द्रधनुषी आतिशबाजी व दीपमालाओं से सूर्यनगरी जगमग हो उठी। मानों ऐसा लग रहा था कि दीपावली की रात जोधपुर की जमीं पर सितारे उतर आए हो। सूर्यास्त होने के साथ ही गोधूलि वेला में घरों की कंवळे दीपमालाओं से रोशन हो उठे।

घरों व व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर लोगों ने शुभ मुहुर्त में प्रथम पूज्य गणेश, ज्ञान की देवी सरस्वती व धन-लक्ष्मी की अधिष्ठात्री महालक्ष्मी माता का विधिपूर्वक पूजन किया। सूर्यास्त से शुरू हुआ पूजन व इन्द्रधनुषी आतिशबाजी का दौर देर रात तक चलता रहा। दिवाली को गृहस्थ, उद्यिमयों व व्यापारियों ने अपनी सुविधानुसार विभिन्न मुहूर्त में महालक्ष्मी पूजन कर सुख-समृद्धि, धन-ऐश्वर्य की कामना की।

रात्रि में पूजन के बाद लोग दिवाली की स्वर्णिम आभा देखने पहुंचे। दीपोत्सव के पावन पर्व पर दीपमालिकाओं से जगमग सूर्यनगरी के घर-घर, डगर-डगर, चौराहों पर जगमगातें दीपों ने शहरवासियों की समृद्ध जीवन शैली का परिचय दिया। हालांकि इस बाद पंचांग भेद के कारण दो दिन गुरुवार व शुक्रवार को दिवाली पर्व मनाया गया।

रातभर आतिशबाजी से शहर गूंजता रहा। दो दिन गुरुवार व शुक्रवार को अमावस्या की तिथि होने के कारण शनिवार को सुबह गोवर्धन पूजन किया गया। इस कारण रविवार को भाईदूज पर्व मनाया जाएगा। भाईदूज पर बहने अपने भाइयों के भाळ पर तिलक लगाकर उनकी लंबी आयु की कामना करेगी। भाईदूज के साथ ही दीपोत्सव सम्पन्न हो जाएगा।

जगमग हो उठी सूर्यनगरी

इस बार दीपावली के मौके पर शहर रंग बिरंगी रोशनी में नहाया नजर आया। शहर के बाजारों में रोशनी की विशेष सजावट की गई। रेलवे स्टेशन भी अलग अलग प्रकार की लाइटिंग से नहाया नजर आया। घर, दुकानों के बाहर रंग बिरंगी लाइटों की जगमगाहट के बीच दीपावली के पर्व पर रौनक नजर आई। लक्ष्मीजी के स्वागत को पूरी शहर दुल्हन की तरह सजाया गया था। वहीं लोगों ने जमकर पटाखे फोड़ खुशियां मनाई। शहर के सभी बाजारों में जोरदार रौनक रही। लक्ष्मी पूजा कर लोग दीपावली की रोशनी को देखने शहर की सडक़ों पर उमड़ पड़े। लोगों ने जमकर एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दी। इससे पूर्व दिवाली पर भी बाजारों में जमकर खरीदारी हुई। शाम को लोगों ने अपने घरों, दुकानों, प्रतिष्ठानों व ऑफिसों में शुभ मुहूर्त में मां लक्ष्मी की पूजा अर्चना की। इस दौरान लोगों ने अपने-अपने घरों और प्रतिष्ठानों पर आकर्षक रोशनी व साज सज्जा की। दीपोत्सव मनाने के लिए पूरे शहर में आकर्षक रोशनी की गई थी। शहरवासियों ने जहां मिट्टी के दीपकों को अपने भवनों पर सजाया वहीं चाइनीज लाइटें, मोमबत्ती व अन्य लाइटिंग से भी साज-सज्जा की गई।

बधाई संदेशों की लगी झड़ी

मां लक्ष्मी की पूजा अर्चना के बाद बच्चों व अन्य लोगों ने जमकर पटाखे छोड़े। इस बार बाजार में कई तरह के पटाखे आए हुए थे। पटाखे छोडऩे के साथ ही लोगों ने एक दूसरे को गले मिलकर, हाथ मिलाकर, फोन व एसएमएस तथा सोशल साइटों के जरिये भी दीपावली की मुबारकबाद दी। मुबारकबाद देने का सिलसिला आज जारी रहा। लोग अपने रिश्तेदारों, मित्रों व परिचितों व पड़ौसियों के घर गए और रामाश्यामा किया। रामाश्यामा के दिन भी बाजार खुले रहे। हालांकि कई स्थानों पर दुकानें बंद भी रही।

गोवर्धन पूजा की, अन्नकूट का आयोजन शुरू

शहर में दीपावली पर दो दिन अमावस्या तिथि होने के कारण गोवर्धन पूजन आज सुबह किया गया। घरों के आंगन और बाहर में महिलाओं ने भगवान गोवर्धन के स्वरूप को गाय के गोबर से तैयार करके पूजन किया। वहीं मंदिरों में अन्नकूट उत्सव हुए। इस दिन गायों की सेवा का विशेष महत्व है। मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण ने इंद्र का अभिमान चूर करने के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी छोटी अंगुली पर उठाकर संपूर्ण गोकुल वासियों की इंद्र के कोप से रक्षा की थी। इन्द्र के अभिमान को चूर करने के बाद भगवान श्रीकृष्ण ने कहा था कि कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा के दिन 56 भोग बनाकर गोवर्धन पर्वत की पूजा करें। इसके बाद से ही यह पर्व श्रद्धापूर्वक मनाया जाता रहा है। इस पर्व के बाद से ही अन्नकूट का आयोजन शुरू हो जाता है। विभिन्न वैष्णव मंदिरों सहित देवालयों में अन्नकूट का आयोजन कर भगवान को विभिन्न खाद्य सामठी का भोग लगाया जाता है।

तनावड़ा फांटा स्थित श्री श्री राधा गोविंदजी मंदिर, अंतर्राष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ (इस्कॉन) में गोवर्धन पूजा महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। सुबह मंगला आरती के पश्चात दर्शन, गुरु पूजा एवं श्रीमद्भागवत कक्षा हुई। मुख्य कार्यक्रम कीर्तन के साथ आरंभ हुआ, तत्पश्चात गोवर्धन पूजा के महत्व पर कथा हुई। दोपहर में राजभोग आरती के पश्चात कीर्तन के साथ श्री गिरिराज जी की परिक्रमा व आरती हुई। मंदिर अध्यक्ष सुंदरलाल ने गिरिराज के महत्व का वर्णन करते हुए बताया कि गोवर्धन पूजा स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने आरंभ करवाई थी, इसलिए भगवान श्रीकृष्ण की आज्ञा को मानते हुए सभी को गोवर्धन पूजा करनी चाहिए।

दीपोत्सव का समापन कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की यम द्वितीया को भाई दूज पर्व से होगा। विवाहित बहिने अपने भाइयों को घर आमंत्रित कर हाथों से भोजन खिलाने की परम्परा का निर्वहन करेगी। बहिनें अपने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उनके दीर्घायु व स्वस्थता की कामना करेगी। भाई भी बहिनों को भेंट स्वरूप गिफ्ट, नकदी आदि देंगे और जिन्दगी भर उनकी रक्षा करने का वचन देंगे। भाईदूज के साथ दीपोत्सव सम्पन्न हो जाएगा।

अधिकारियों व राजनेताओं ने लोगों को शुभकामनाएं दी

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ (मध्य), सांसद पीपी चौधरी (बाएं) सहित नेताओं व अधिकारियों ने पाली के बाजार में लोगों से मुलाकात की। फोटो-राष्ट्रदूत

पाली, (नि.सं.)। पाली शहर में दीपावली 2 दिन तक मनाई गई, जहां लक्ष्मी पूजन 31 अक्टूबर किया गया।

वहीं बाजारों में पूजा व सजावट 1 नवंबर को करने पर रात्रि 8:00 बजे बाजार की सजावट देखने डीआईजी पुलिस प्रदीप मोहन शर्मा, कलेक्टर एलएन मंत्री, एसपी चुनाराम जाट एडिशनल एसपी सहित पुलिस अधिकारियों ने सूरजपोल से रवाना होकर सोमनाथ मंदिर, पटवा बाजार, सराफा बाजार, उदयपुरिया बाजार तक लोगों को शुभकामनाएं दी।

- बाजार में दीपावली की रोशनी देखने लोगों की भीड उमड़ी

इसी प्रकार भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, सांसद पीपी चौधरी, महेंद्र बोहरा जिला अध्यक्ष मंसाराम पवार, पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख सहित भाजपा नेता पुराना बस स्टैंड से उदयपुरिया बाजार, सराफा बाज़ार पटवा बाजार, सोमनाथ मंदिर तक शहर वासियों से खुलकर मिले तथा मुंह मीठा किया। उन्होंने सभी को दीपावली की बधाई दी। इस बार बाजार में दीपावली की रोशनी देखने पहली बार लोगों की जोरदार भीड उमड़ी।

जैसलमेर में पर्यटकों की भीड़

जैसलमेर में पर्यटन स्थलों पर सैलानियों की भीड़ उमड़ी। फोटो-राष्ट्रदूत

जैसलमेर, (नि.सं.)। स्वर्णनगरी में दीपावली से सैलानियों की बहार है। सैलानियों की आवक जारी है। प्रतिदिन सैकड़ों सैलानी स्वर्णनगरी भ्रमण के लिए पहुंच रहे हैं। स्वर्णनगरी के पर्यटन स्थलों पर रौनक छाई हुई है। स्थिति ऐसी है कि पर्यटन स्थल खचाखच भरे है।

शहर में सोनार दुर्ग, गड़ीसर सरोवर , पटवा हवेली, सालमसिंग हवेली, नथमल हवेली, पर दिन भर सैलानियों की भीड़ देखने को मिल रही है। इन दिनों गुजराती सैलानियों की भारी भीड़ उमड़ रही हैं। गुजराती सैलानी जैसलमेर भ्रमण का जमकर लुत्फ उठा रहे है। लाभ पंचमी तक गुजराती सैलानियों की भीड़ देखने को मिलेगी। उसके बाद धीरे धीरे गुजराती पर्यटक लौटने शुरु हो जाएंगे।

बड़ी संख्या में सैलानियों की आवक से पर्यटन व्यवसायियों के चेहरे खिले हुए है। सैलानियों के आने से पर्यटन से जुड़े लोगों के व्यवसाय में चार चांद लग गए है। गड़ीसर तालाब पर शाम को सैलानियों को हुजूम उमड़ता है। शाम को यहां सैलानी नौकायान का लुत्फ उठाते नजर आ रहे हैं। वहीं सम व खुहड़ी के मखमली धोरों पर भी सैलानी धमाल मचा रहे है।

महिला की निर्मम हत्या, शव के 6 टुकड़े कर शव जमीन में गाड़े, आरोपी फरार

- हत्या के आरोपी की पत्नी पुलिस हिरासत में
- हत्या का आरोपी पुलिस की पकड़ में नहीं आया
- जाट समाज में इस हत्या को लेकर रोष व्याप्त

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में 50 साल की महिला अनीता चौधरी के दोनों हाथ, पैर और गर्दन को काटकर जमीन में गाड़ने की घटना के बाद शहर में दहशत का माहौल है। दूसरी तरफ इस निर्मम हत्या का आरोपी आज भी पुलिस की पकड़ में नहीं आया है। जाट समाज में इस हत्या को लेकर रोष व्याप्त है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि महिला की हत्या प्लानिंग करके की गई। हत्या से पहले घर के बाहर जेसीबी से गड्ढा खुदवाया गया। हत्या के आरोपी गुलामुद्दीन (42) की पत्नी पुलिस हिरासत में है। उससे पूछताछ की जा रही है।

गुलामुद्दीन की पत्नी की निशानदेही पर पुलिस ने उसके घर के आगे से ही अनीता के शरीर के टुकड़ों को गड्ढे से बरामद किया तो मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारी दंग रह गए। आरोपी की पत्नी ने बताया उसके पति गुलामुद्दीन ने यह गड्ढा 3 दिन पहले ही खुदवा दिया था। मर्डर के बाद अनीता की बॉडी के टुकड़े कर बोरे में भरकर उसी गड्ढे में गाड़ दिया था।

सरदारपुरा थानाधिकारी दिलीप सिंह के अनुसार मृतक अनीता की गुमशुदगी की रिपोर्ट उनके पति मनमोहन चौधरी ने 27 अक्टूबर को दर्ज करवाई थी। इसके बाद से ही पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। पुलिस ने मृतका के ब्यूटी पार्लर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की तो वह 26 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे एक टैक्सी में अकेली बैठकर जाते नजर आई थी।

पुलिस ने उस टैक्सी ड्राइवर का पता लगाकर जानकारी ली। टैक्सी ड्राइवर पुलिस को गंगाना के उस घर के आगे ले गया। जहां उसने अनीता को छोड़ा था। वह घर अनीता की दुकान के सामने दुकान चलाने वाले गुलामुद्दीन का था। उसकी पत्नी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई।

पुलिस ने गुलामुद्दीन की पत्नी और उसके परिवार के लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो शव का पता चल गया। गुलामुद्दीन की पत्नी की निशानदेही पर पुलिस ने उसके घर के सामने ही जेसीबी से गड्ढा खोदकर अनीता के शव को बाहर निकाला। अनीता के दोनों हाथ, पैर और गर्दन को काट कर धड़ से अलग किया था।

मनमोहन ने बताया कि 26 अक्टूबर को उनकी पत्नी अनीता से दोपहर 12 बजे अंतिम बार बात हुई थी। अनीता ने पति से गाड़ी की जरूरत के बारे में पूछा था। दोपहर 2 बजे अनीता ने जोधपुर के सरदारपुरा बी रोड पर स्थित ब्यूटी पार्लर की दुकान खोली थी। इसके 10 मिनट बाद ही वह दुकान बंद कर कहीं निकल गई थी। इसके बाद उसका कोई पता नहीं चल पाया था। दूसरे दिन 27 अक्टूबर को पति ने थाने में उसकी मिसिंग रिपोर्ट दर्ज करवाई थी।

मनमोहन ने बताया कि गुलामुद्दीन की दुकान और उनकी पत्नी का ब्यूटी पार्लर सरदारपुरा बी रोड पर आमने-सामने हैं। करीब 25 सालों से वह लोग दुकान चला रहे हैं। अनीता को गुलामुद्दीन बहन मानता था और बहन कहकर ही बुलाता था। पुलिस ने आज नया खुलासा किया है। फरार आरोपी ने पत्नी के साथ मिलकर प्री-प्लान तरीके से वारदात को अंजाम दिया था।

साजिश के तहत महिला को अपने घर बुलाया। इसके बाद बेहोशी की दवा मिलाकर शर्बत पिलाया। बेहोश होने के बाद हत्या की और मीट काटने वाले चाकू से शव के टुकड़े-टुकड़े कर बोरे में भर दिए। इसके बाद अपने घर के बाहर खोदे गए करीब 10 फीट गहरे गड्ढे में बोरों को दबा दिया। बदबू नहीं आए इसके लिए गड्ढे में इत्र भी छिड़का।फिलहाल आरोपी पकड़ा नहीं जा सका है। उसकी पत्नी से पूछताछ की जा रही है।

उत्कर्ष के डिस्काउंट ऑफर का आज आखिरी दिन

जोधपुर, (कासं) । उत्कर्ष क्लासेस द्वारा दीपावली के शुभ अवसर पर विद्यार्थियों के लिए रखे गए दिवाली ट्रिपल धमाका ऑफर का आज अंतिम दिन है। इसके तहत उत्कर्ष एप के सभी ऑनलाइन कोर्सेस पर 90 प्रतिशत तक की भारी छूट दिए जाने के अतिरिक्त प्रत्येक कोर्स पर 3 माह की अतिरिक्त वैद्यता तथा लाइव फ्रॉम क्लासरूम कोर्स के साथ रिकॉर्डेड कोर्सेस भी निःशुल्क दिये जा रहे हैं।

उत्कर्ष क्लासेस के संस्थापक एवं निदेशक डॉ. निर्मल गहलोत ने बताया कि दिवाली के पावन अवसर पर संस्था द्वारा उत्कर्ष एप में उपलब्ध 650 से अधिक ऑनलाइन कोर्सेस पर गत 24 अक्टूबर से 03 नवंबर तक ट्रिपल धमाका ऑफर की घोषणा की गई थी, जिसका लाभ उठाने का आज आखरिी दिन है। इस ऑफर के अंतर्गत विद्यार्थी सर्वाधिक अफोर्डेबल प्राइज में अपना मनचाहा ऑनलाइन कोर्स प्राप्त कर विभिन्न परीक्षाओं की घर बैठे बेहतरीन तैयारी कर सकते हैं।

उत्कर्ष एप में राज्य व केंद्र स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की 650 से अधिक पॉपुलर कैटेगरी के कोर्सेस है उपलब्ध

गौरतलब है कि उत्कर्ष एप में आईएएस, आरएएस, यूपीपीसीएस, एमपीपीएससी, बीपीएससी, बीएसएससी, आरएएस, पशु परिचर, एसएससी, बैंक, रेलवे, केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीटेट) इत्यादि के अतिरिक्त राजस्थान तथा अन्य राज्यों के विभिन्न राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं सहित नीट-जेईई, सीयूईटी, डिफेंस, नर्सिंग, कृषि, न्यायिक सेवा परीक्षा इत्यादि के ऑनलाइन कोर्सेस तथा सीबीएसई एवं विभिन्न राज्य बोर्ड के तहत कक्षा 6 से 12 तक (हिंदी व अंग्रेजी माध्यम) के ऑनलाइन ट्यूशन कोर्सेस उपलब्ध हैं। इन सभी श्रेणियों पर यह ऑफर दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त ई-मित्र, आर. के. सी. एल तथा सीएससी के माध्यम से कोर्स में एनरोल करने पर 10 प्रतिशत का अतिरिक्त डिस्काउंट भी प्राप्त किया जा सकता है।

सब्सिडी के लिए सीडिंग अनिवार्य

जालोर, (कासं)। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के लाभार्थी परिवारों को एलपीजी गैस सिलेण्डर 450 रुपए में प्राप्त करने हेतु एनएफएसए राशन कार्ड के सभी सदस्यों के आधार एवं परिवार में उपलब्ध समस्त एलपीजी आईडी की सीडिंग करवाना अनिवार्य है। सीडिंग के लिए 5 से 30 नवम्बर तक उचित मूल्य दुकानों पर कार्य किया जायेगा।

जिला रसद अधिकारी ने बताया कि जिले में 5 से 30 नवम्बर तक उचित मूल्य दुकानदारों द्वारा दुकान स्तर से पोस मशीन के माध्यम से प्रत्येक एनएफएसए परिवार के समस्त सदस्यों के आधार नम्बर, ई-केवाईसी तथा परिवार के सदस्यों के नाम समस्त एलपीजी आईडी की सीडिंग की जायेगी। उन्होंने बताया कि एनएफएसए परिवार अपनी नजदीकी राशन दुकान पर आधार सीडिंग के लिए आधार कार्ड एवं ई-केवाईसी के लिए परिवार के सभी सदस्यों को, जिनकी ई-केवाईसी शेष है एवं 450 रूपये गैस सिलेण्डर सब्सिडी लाभ के लिए अपनी एलपीजी आईडी-गैस कनेक्शन डायरी या बिल लेकर जावें।

बीमा कंपनी को दावा राशि ब्याज सहित अदा करने का आदेश

- स्थाई लोक अदालत जोधपुर महानगर ने बीमा मामले में परिवाद मंजूर किया

जोधपुर, (कासं)। स्थाई लोक अदालत जोधपुर महानगर ने बीमा के एक मामले में परिवाद मंजूर करते हुए कहा है कि छोटी मोटी बीमारी से व्यक्ति के ग्रसित होने और बीमा प्रस्तावना प्रपत्र में इन्हें छिपाने के आरोप में बीमा नहीं करने या दावा खारिज करने से तो बीमा व्यवसाय ही चौपट हो जाएगा।

अदालत के अध्यक्ष सुकेश कुमार जैन और सदस्य जेठमल पुरोहित तथा माणकलाल चांडक ने मैक्स लाइफ इंश्योरेंस कंपनी को दावा राशि 51 लाख 23 हजार 574 रुपए मय 8 फीसदी ब्याज और परिवाद व्यय पांच हजार रूपए दो माह में अदा करने के निर्देश दिए अन्यथा 8 फीसदी अतिरिक्त ब्याज अदा करना होगा। जानकारी के अनुसार रीना राजेश मेहता ने अधिवक्ता अनिल भंडारी के माध्यम से परिवाद दायर कर कहा कि उनके पति ने एक्सिस बैंक से अक्टूबर 2020 में आवासीय ऋण लिया, जिसके एवज में मैक्स लाइफ इंश्योरेंस से 56 लाख 72 हजार 353 रुपए की जीवन बीमा पॉलिसी ली। 16 अक्टूबर 2021 को उनके कोकिला बेन अस्पताल में सीने में गांठ का ऑपरेशन हुआ और बाद में एम्स अस्पताल जोधपुर में उनका 18 नवंबर को निधन हो गया। इसके बाद बीमा राशि अदा करने की बात आई तो बीमा कंपनी ने उनका दावा यह कहकर खारिज कर दिया कि उनके पति वर्ष 2018 में पेट में अल्सर की वजह से एक दिन के लिए भर्ती हुए थे और यह बीमारी उन्हें 2010 से थी, लेकिन बीमा करवाते वक्त उन्होंने प्रस्तावना प्रपत्र में इसे छुपाया था। अधिवक्ता भंडारी ने बहस करते हुए कहा कि जीवन में सामान्य बीमारियां जैसे रक्तचाप,मधुमेह,पेट संबंधी बीमारी व्यक्ति को अनेक बार होती है और कई छोटी मोटी बीमारी व्यक्ति को याद भी नहीं रहती है। उन्होंने कहा कि बीमाधारी की मृत्यु पेट में अल्सर या गैस की वजह से नहीं हुई है, इसलिए बीमा कंपनी का कथन मान्य योग। नहीं है। अत::परिवाद मंजूर किया जाए। बीमा कंपनी की ओर से कहा गया कि मृत्यु चाहे कोई कारण से हो, लेकिन प्रस्तावना प्रपत्र में बीमारी घोषित नहीं करना ही दावा खारिज किए जाने का पर्याप्त आधार है।

स्थाई लोक अदालत ने परिवाद मंजूर करते हुए कहा कि जानलेवा बीमारी जैस कैंसर, किडनी, हृदय रोग या लीवर बीमारी होने पर यह बीमारी छिपाई जाती है तो जानबूझकर या कपटपूर्वक कार्रवाई मानी जाएगी और इस आधार पर दावा खारिज किया जाना समझ में आता है, लेकिन छोटी मोटी बीमारियों से ग्रसित होने से बीमा कंपनी दावा खारिज करने लगी या बीमा करने से इनकार कर देगी तो बीमा व्यवसाय ही चौपट हो जाएगा। उन्होंने कहा कि बीमाधारी को पेट में गैस या पाचन तंत्र की सामान्य बीमारी पूर्व में थी, जो कि जानलेवा बीमारी नहीं थी बल्कि उनकी मृत्यु अन्य रोग से हुई है।

उन्होंने कहा कि ऐसे में दावा राशि में 10 फीसदी कटौती हो सकती है। उन्होंने इंश्योरेंस कंपनी को निर्देश दिया कि दो माह में 51 लाख 23 हजार 574 रुपए मय 8 फीसदी ब्याज और परिवाद व्यय पांच हजार रुपए बकाया किस्त के एक्सिस बैंक को अदा करें और शेष राशि परिवादी को भुगतान करें।

दो माह में अदा नहीं करने पर बीमा कंपनी को 8 फीसदी अतिरिक्त ब्याज भी देना होगा।

लोगों ने मां लक्ष्मी की पूजा की

पाली, (नि.सं.)। पाली में गुरुवार शाम को शुभ मुहूर्त में लोगों ने मां लक्ष्मी की पूजा-अचर्ना कर खुश-समृद्धि की कामना की। जमकर आतिशबाजी की व खुशी जताई। शहर के महालक्ष्मी मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लम्बी कतार देखने को मिली।

शहर के प्रमुख चौराहे और बाजार आकर्षक रोशनी से सजे नजर आए। लोगों ने अपने घर भी मनमोहक रोशनी से रोशन कर हर्षोल्लास के साथ दीपावली त्यौहार मनाया। बता दे कि इस तिथि के संशय के चलते कुछ लोगों ने 31 अक्टूबर को माता महालक्ष्मी की पूजा की तो कुछ लोगों ने 1 नवम्बर को पूजा की। भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण व भगवान हनुमान के साथ चौदह वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या लौटने की खुशी में दीपोत्सव मनाया जाता है। पाली में सुबह घरों में रंगोलियां सजाई गई। घरों के मुख्य द्वारों पर बांदरवाल लगाए गए। गन्ने प्रवेश द्वारा पर लगाए। इसके बाद गोधूलि वेला पर परिजनों के साथ नए वस्त्र पहनकर बाजोट पर स्वास्तिक बनाया और उस पर लाल कपड़ा बिछाकर माता लक्ष्मी, भगवान गजानन, माता सरस्वती का विधि-विधान से पूजन किया। दीपोत्सव को लेकर सुबह से ही बाजारों में रौनक रही। लोगों ने पूजन के लिए सामग्री खरीदी। माता लक्ष्मी को अर्पित करने के लिए कमल के फूल, पुष्प आदि खरीदे। कई लोग घरों में सजावट के लिए सामग्री खरीदकर लाए। कई लोगों ने चांदी के सिक्के, चांदी के नोट भी खरीदे। खास कर मिठाई, नमकीन, पटाखे, कपड़ों की दुकानों पर भीड़ देखने को मिली।

माता लक्ष्मी के पूजन के बाद बड़ों से लेकर बच्चों ने पटाखे फोड़े, रंग बिरंगी फुलझड़ियां जलाई। आसमां रॉकेट व सतरंगी पटाखों की रोशनी हो उठा। देर रात तक शहर में आतिशबाजी का शोर सुनाई दिया। पाली में शुक्रवार 1 नवंबर को भी कई परिवारों ने माता महालक्ष्मी का पूजन किया। उसके बाद आतिशबाजी कर खुशी मनाई। शहर के रेलवे स्टेशन रोड स्थित माता महालक्ष्मी मंदिर के बाहर शुक्रवार शाम को भी माता महालक्ष्मी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की कतार नजर आई। दर्शन कर शहरवासियों ने परिवार की खुशहाली की कामना की।

इस्कॉन पाली में गोवर्धन पूजा

हर साल कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को गोवर्धन पूजा की जाती है। इस्कॉन पाली में शनिवार, 2 नवंबर को भक्तो द्वारा विभिन्न पकवानों का गोवर्धन जी को भोग लगाया तथा श्री गोवर्धन पर्वत बनाया गया। कथा कीर्तन व् अन्नकूट का भोग लगाया गया। इस्कोन पाली कार्तिक कृष्ण दास ने बताया कि ये कार्तिक माह का विशेष दिन है। गोवर्धन पूजा का उत्सव भागवत पुराण में बताई गई पौराणिक कथाओं पर आधारित है। धार्मिक मान्यता है कि भगवान कृष्ण ने वृंदावन के लोगों से कहा कि वर्षा के देवता इंद्रदेव को प्रसाद चढ़ाने के बजाय गोवर्धन पर्वत की पूजा की जाए। जब इंद्रदेव को इस बारे में पता चला तो वे क्रोधित हो गए और उन्होंने वृंदावन पर मूसलाधार बारिश करनी शुरू कर दी। इस बारिश ने जल्द ही भयावह रूप ले लिया. इस बारिश से वृंदावन वासियों को बचाने के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी छोटी उंगली पर पूरा गोवर्धन पर्वत उठा लिया, जिससे लोगों और जानवरों की इस भारी आपदा से रक्षा कर सकें। गोवर्धन पर्वत के नीचे 7 दिन तक सभी वृंदावन के वासी बारिश से बचने के लिए उसकी छाया में रहे। इसके बाद ब्रह्माजी ने इंद्रदेव को बताया कि पृथ्वी पर भगवान विष्णु ने ही श्रीकृष्ण के रूप में जन्म लिया है। ऐसे में उनसे बैर लेना उचित नहीं। ये जानकर इंद्रदेव ने भगवान श्रीकृष्ण से माफी मांगी। फिर भगवान श्रीकृष्ण ने 7वें दिन गोवर्धन पर्वत को नीचे रखा। फिर श्रीकृष्ण ने हर साल गोवर्धन पूजा करके अन्नकूट उत्सव मनाने की आज्ञा दी. तब से लेकर अब तक गोवर्धन पूजा का उत्सव अन्नकूट के नाम से मनाया जाने लगा।

कार व दुपहिया वाहन चोरी

जोधपुर, (कासं)। अलग अलग स्थानों से वाहन चोरों ने एक कार और चार दुपहिया वाहनों को चुरा लिया।

चौपासनी हाऊसिंग बोर्ड पुलिस ने बताया कि श्रीकृष्णा नगर निवासी पूनाराम चौधरी पुत्र गुमनाराम चौधरी ने मामला दर्ज कराया। इसमें बताया कि 29-30 अक्टूबर की रात्रि के समय घर के बाहर खड़ी उसकी कार चोरी हो गई। सुबह उठने पर कार चोरी का पता लगा। चौहाबो पुलिस कार चोर का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

चौपासनी हाऊसिंग बोर्ड थाने में दाऊजी की पोल के पीछे देवीदान नगर सूथला निवासी रेणु शमा पुत्री राधेश्याम शर्मा ने बताया कि अशोक उद्यान के बाहर उसकी स्कूटी खड़ी थी, जोकि अज्ञात शख्स चोरी कर ले गया।

वहीं प्रतापनगर सदर थाने में दी रिपोर्ट में बासनी चौलावता भोपालगढ़ निवासी श्याम सिंह पुत्र दुर्गादान चारण ने पुलिस को बताया कि वह उम्मेद अस्पताल अपने किसी काम से आया था। जहां से अज्ञात शख्स उसकी बाइक को चुरा ले गया।

पाली में आगजनी की 25 घटनाएं घटी

पाली, (नि.सं.)। पाली में पिछले दो दिनों में 25 से ज्यादा आगजनी की घटनाएं हुई। कही पटाखों की चिंगारी गिरने से बाड़ जली तो कहीं चारा जला।

पाली शहर में आगजनी की तीन बड़ी घटना हुई। टैगोर नगर में एक फ्लैट में आग तो मंडिया रोड पर फर्नीचर के गोदाम में और राजेन्द्र नगर में टेंट गोदाम में आग लगने से लाखों का नुकसान हुआ। सूचना पर दमकल-कर्मी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया।

इस दौरान दमकल-कर्मी भरत आदिवाल, पारस गहलोत, धर्मेन्द्र, सुरेश कुमार, रोहित सुमन आदि ने मुस्तैदी से काम किया और आग पर काबू पाया।

टैगोर नगर में फ्लैट में लगी आग जानकारी के अनुसार पाली शहर के टैगोर नगर स्थित आदेश्वर सोसायटी में थर्ड फ्लोर पर एक फ्लेट के कमरे में अज्ञात कारण से आग लग गई। जिससे फर्नीचर सहित अन्य सामान जल गया।

घर के लोग भागकर बाहर निकले और अपनी जान बचाई।

मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

लकड़ियों के गोदाम में लाखों रुपए का नुकसान

पाली शहर के मंडिया रोड हरी ओम होटल के निकट स्थित श्री गुरुकृपा टिम्बर्स में शुक्रवार शाम को अज्ञात कारण से आग लग गई।

देखते ही देखते आग की लपटों ने विकराल रूप ले लिया। आग से गोदाम में रखी लाखों रुपए की लकड़ियां जलने लगी। सूचना पर दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था।

पाली शहर के राजेन्द्र के राधा-कृष्णा मंदिर के निकट स्थित कन्हैया टेंट हाऊस में शनिवार रात को अज्ञात कारण से आग लग गई। आग की लपेट उठती देख लोगों ने दमकलकर्मियों को कॉल कर सूचना दी।

मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग से गोदाम में रखा टेंट का सामान जलकर नष्ट हो गया।

आग से स्कूटी जली

पाली के रामनगर स्थित गली नंबर एक में पटाखे की चिंगारी स्कूटी पर गिर गई। देखते ही देखते कुछ देर में स्कूटी जलने लगी।

स्कूटी मालिक जब तक आग बुझाते तब तक काफी स्कूटी जल चुकी थी। बताया जा रहा है कि स्कूटी राजेन्द्र पुत्र भगवानदास की थी।